म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
सा विद्या या विमुक्तये

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

TESS India

प्रारंभिक अंग्रेज़ी

सीखने का परिवेश

भारत में विद्यालय
समर्थित शिक्षक-शिक्षा
www.TESS-India.edu.in

cc BY SA
http://creativecommons.org/licenses/

The Open University
UKaid
from the British people

एस.आर.मोहन्ती
अपर मुख्य सचिव

अ.शा.पत्र क्र R.S.K/10
दूरभाष कार्यालय - 0755-4251330
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल-462 004
भोपाल, दिनांक 20-1-2016

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

बच्चों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और रोचक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग निरन्तर प्रयासरत् है। आप सभी के प्रयासों से शिक्षकों के शिक्षण कौशल में भी निखार आया है और शालाओं में कक्षा शिक्षण भी आंनददायी तथा बेहतर हुआ है।

इसी दिशा में शिक्षकों को बाल केन्द्रित शिक्षण की ओर उन्मुख करने और शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को लेकर, TESS India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) का विकास किया गया हैं। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता व सुगमतापूर्वक किया जा सकता है। आशा है कि ये संसाधन, शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन और क्षमतावर्द्धन में लाभकारी और उपयोगी सिद्ध होंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में TESS India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया गया हैं। आशा है इन संसाधनों के उपयोग से प्रदेश के शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षक लाभान्वित होंगे और कक्षाओं में पठन पाठन को रूचिकर और गुणवत्तायुक्त बनाने में मदद मिलेगी।

शुभकामनाओं सहित,

(एस.आर.मोहन्ती)

दीप्ति गौड मुकर्जी
आयुक्त
राज्य शिक्षा केन्द्र एवं
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

अर्द्ध शा. पत्र क्र. : 8
दिनांक : 12-1-16
पुस्तक भवन, बी-विंग
अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
फोन : (का.) 2768392
फैक्स : (0755) 2552363
वेबसाइट : www.educationportal.mp.gov.in
ई-मेल : rskcommmp@nic.in

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

सभी बच्चों को रूचिकर और बाल केन्द्रित शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए आवश्यक है कि हमारे शिक्षकों को शिक्षण की नवीनतम तकनीकों और शिक्षण विधियों से परिचित कराया जाए साथ ही इन तकनीकों के उपयोग के लिए उन्हे प्रोत्साहित भी किया जाए। TESS India द्वारा तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) के उपयोग से शिक्षक शिक्षण प्रविधि के व्यावहारिक उपयोग को सीख सकते हैं। इनकी सहायता से शिक्षक न केवल विषय वस्तु को सुगमता पूर्वक पढ़ा सकते हैं बल्कि पठन पाठन की इस प्रक्रिया में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

राज्य शिक्षा केन्द्र स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानीय भाषा में तैयार किये गये इन मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को अपने पोर्टल www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया है।

आशा हैं, कि आप इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण के दौरान नियमित रूप से उपयोग करेंगे और अपने शिक्षण कौशल में वृद्धि करते हुए बच्चों की पढ़ाई को आनंददायक बनाने का प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(दीप्ति गौड मुकर्जी)

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

टेस–इण्डिया स्थानीयकृत ओईआर निर्माण में सहयोग

मार्गदर्शन एवं समीक्षा :
श्रीमती स्वाति मीणा नायक, अपर मिशन संचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एच. के. सेनापति, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. ओ.पी.शर्मा, अपर संचालक, मध्यप्रदेश एससीईआरटी
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
प्रो.जयदीप मंडल, विभागाध्यक्ष विज्ञान एवं गणित शिक्षा संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आर. रायजादा, सहप्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष विस्तार शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. वी.जी. जाधव, से.नि. प्राध्यापक भौतिक, एनसीईआरटी
डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम से.नि. प्राध्यापक गणित, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आई. पी. अग्रवाल से.नि. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. अश्विनी गर्ग सहा. प्राध्यापक गणित संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. एल. के. तिवारी, सहप्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री एल.एस.चौहान, सहा. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. श्रुति त्रिपाठी, सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. रजनी थपलियाल, व्याख्याता अंग्रेजी, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. मधु जैन, व्याख्याता शास. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल
डॉ. सुशोवन बनिक, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. सौरभ कुमार मिश्रा, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री. अजी थॉमस, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. राजीव कुमार जैन, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
स्थानीयकरण :
भाषा एवं साक्षरता
डॉ. लोकेश खरे, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एम.एल. उपाध्याय से.नि. व्याख्याता शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय मुरैना
श्री रामगोपाल रायकवार ,कनि. व्याख्याता, डाइट कुण्डेश्वर, टीकमगढ़
डॉ. दीपक जैन अध्यापक, शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय क्र 1 टीकमगढ़
अंग्रेजी
श्री राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्रीमती कमलेश शर्मा. डायरेक्टर , ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री हेमंत शर्मा, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री मनोज कुमार गुहा वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी. मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एफ.एस.खान, वरि.व्याख्याता, प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आईएएसई) भोपाल
श्री सुदीप दास, प्राचार्य, शास.उ.मा.विद्यालय दालौदा, मन्दसौर
श्रीमती संगीता सक्सेना, व्याख्याता, ,शास.कस्तूरबा कन्या उ.मा.विद्यालय भोपाल
गणित
श्री बी.बी. पी. गुप्ता, समन्वयक गणित, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ए. एच. खान प्राचार्य शास.उ.मा.विद्यालय रामाकोना, छिंदवाड़ा
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्त , प्राचार्य शास. जीवाजी ऑब्जर्वेटरी उज्जैन
डॉ.आर,सी. उपाध्याय, वरि. व्याख्याता, डाइट, सतना
डॉ. सीमा जैन, व्याख्याता, शास. कन्या उ.मा.विद्यालय गोविन्दपुरा, भोपाल
श्री सुशील कुमार शर्मा, शिक्षक, शास. लक्ष्मी मंडी उ.मा.विद्यालय, अशोका गार्डन, भोपाल
विज्ञान
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
डॉ. सुसम्मा जॉनसन, व्याख्याता एस.आई.एस.ई. जबलपुर मध्यप्रदेश
डॉ.सुबोध सक्सैना, समन्वयक एससीईआरटी मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री अरूण भार्गव, वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्रीमती सुषमा भट्ट, वरि.व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ब्रजेश सक्सेना, प्राचार्य, एससीईआरटी ,मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. रेहाना सिद्दकी से.नि. व्याख्याता सेन्ट फ्रांसिस हा. से. स्कूल भोपाल

*TESS-India (*विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा*)* का उद्देश्य मुक्त शैक्षिक संसाधनों की सहायता से भारत में प्रारंभिक और सेकेण्डरी शिक्षकों के कक्षा अभ्यास व कक्षा निष्पादन को सुधारना है जिसमें वे इन संसाधनों की सहायता से विद्यार्थी-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों का विकास कर सकें। टेस इंडिया के मुक्त शैक्षिक संसाधन शिक्षकों के लिए स्कूल पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त,सहयोगी पुस्तिका या संसाधन की तरह हैं। इसमें शिक्षकों के लिए कुछ गतिविधियां दी गई हैं जिन्हे वे कक्षाओ में विद्यार्थियों के साथ प्रयोग में ला सकते हैं, इसके साथ साथ कुछ केस स्टडी दी गई हैं जो यह बताती हैं कि कैसे अन्य शिक्षकों ने पाठ्य विषय को कक्षाओं में पढ़ाया और अपनी विषय संबंधी जानकारियों को बढ़ाने तथा पाठ योजनाओं को तैयार करने में संसाधनों का उपयोग किया।

TESS-India OER भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं *(http://www.tess-india.edu.in)*। *OER* कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक भारतीय राज्य के शिक्षकों के उपयोग के लिए उपयुक्त तथा कई संस्करणों में उपलब्ध हैं तथा शिक्षक व उपयोगकर्ता इन्हे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और सन्दर्भों के अनुरूप इनका स्थानीय करण करके उपयोग कर सकते हैं।

प्रस्तुत संस्करण मध्यप्रदेश की स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ यह आइकॉन दिया गया है*:* *.* इसका अर्थ है कि आप उक्त विशिष्ट विषयवस्तु या शैक्षणिक प्रविधि को और अधिक समझने के लिए *TESS-India* के वीडियो संसाधनों की मदद ले सकते हैं।

TESS-India वीडियो ससांधन (Resources) भारतीय परिप्रेक्ष्य में कक्षाओं में उपयोग की जा सकने वाली सीखने–सिखाने की विविध तकनीकों को दर्शाते हैं। हमें यकीन है कि इनसे आपको इसी प्रकार की तकनीकें अपनी कक्षा में करने में मदद मिलेगी। यदि इन वीडियो संसाधनों तक आपकी पहुँच नहीं हो तो कोई बात नहीं। यह वीडियो पाठ्यपुस्तक का स्थान नहीं लेते, बल्कि उसको पढ़ाने में आपकी मदद करते हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को *TESS-India* की वेबसाइट *http://www.tess-india.edu.in/* पर ऑनलाइन देखा जा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त आप इन वीडियो को सीडी या मेमोरी कार्ड में लेकर भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 EE12v2
Madhya Pradesh
तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है*:* *http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3*
TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

यह इकाई आपकी कक्षा के परिवेशी प्रिंट और प्रिंट-समृद्ध परिवेश पर केंद्रित है।

हमारी कक्षा में पुस्तकों के अतिरिक्त भी अन्य स्थानों पर छापी हुई (प्रिन्ट) सामग्री मिलती है। हमारे आसपास भी अनेक स्थानों पर हमें प्रिंट देखने को मिलते है। विद्यार्थियों के लिए साक्षरता का पहला चरण वह होता है, जब वे इस बात से अवगत होने लगते हैं कि उन्हें अपने चारों-ओर दिखाई देने वाले प्रिंट में कोई अर्थ भी छिपा है। घर पर और समुदाय में 'परिवेशी प्रिंट' ही अक्सर वह पहला लेखन होता है, जिसे पढ़ना विद्यार्थी सीखते हैं। यह ऐसा लेखन होता है, जो दैनिक जीवन का एक अंग है – हमारे आस-पास विभिन्न संकेतों, टिकटों, अख़बारों, पैकेटों और पोस्टरों पर दिखने वाला लेखन। विद्यार्थी जब स्कूल में आते हैं, तो उन्हें परिवेशी प्रिंट के नए स्वरूप देखने को मिलते हैं: चार्ट, सूचियाँ, शेड्यूल, लेबल और सभी तरह की पठन सामग्री। शिक्षक अंग्रेज़ी भाषा सिखाने के लिए स्कूल और समुदाय के इन संसाधनों का अच्छा उपयोग कर सकते हैं।

इस इकाई की गतिविधियाँ आपको अपनी कक्षा का प्रिंट परिवेश सुधारने – भले ही आपका प्रारंभिक बिंदु कोई भी हो – और विद्यार्थियों के साथ अपनी अंग्रेज़ी भाषा सुधारने व इसका अभ्यास करने के अवसर देती है। आपकी व्यावसायिक आवश्यकताओं और आपके विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के आधार पर इन गतिविधियों को अनुकूलित करें।

आप इस इकाई से क्या सीख सकते हैं

- अंग्रेज़ी भाषा की साक्षरता के लिए स्थानीय प्रिंट संसाधनों का उपयोग करना।
- अंग्रेज़ी भाषा के पाठों में प्रिंट-आधारित गतिविधियों की योजना तैयार करना।
- अंग्रेज़ी भाषा साक्षरता हेतु परस्पर संवाद संसाधन तैयार करना।

1 परिवेशी प्रिंट क्या है?

'परिवेशी प्रिंट' शब्द, इसके अर्थ और विद्यार्थियों के शिक्षण में इसकी सहायता किस प्रकार ली जा सकती है इस विचार के साथ शुरुआत करें।

परिवेशी प्रिंट अक्सर वह पहला लेखन होता है, जिसे विद्यार्थी आनंद व उत्साह के साथ पढ़ते हैं। उदाहरण के लिए कई विद्यार्थियों को यह मालूम होगा कि चित्र 1 में नीली पृष्ठभूमि पर लिखे शब्दों और इस आकृति का अर्थ बढ़िया आइसक्रीम से है। क्या आप इसी तरह के अन्य संकेतों के बारे में सोच सकते हैं?

चित्र 1 मदर डेयरी का लोगो।

ज्यादातर विद्यार्थी प्रिंट के बारे में कुछ ज्ञान और साथ ही अंग्रेज़ी भाषा के बारे में कुछ ज्ञान के साथ स्कूल की शुरुआत करते हैं। स्कूल में वे लेखन के नए और अलग अलग स्वरूपों के संपर्क में आते हैं: चार्ट, सूचियाँ, नाम, शेड्यूल, लेबल और हर तरह की पठन सामग्री।

बहुत कम या बिना किसी कीमत के आप एक जीवंत और दृश्यमान कक्षा बना सकते हैं जहाँ विद्यार्थी प्रिंट की एक श्रेणी के संपर्क में आते हैं। आपकी कक्षा की दीवारें और खाली स्थान एक रचनात्मक संवादात्मक परिवेश बन सकते हैं, जहाँ आप स्कूल, समुदाय और घर के विविध लेखन का प्रदर्शन और अध्यापन कर सकते हैं।

गतिविधि 1: संकेतों और चिह्नों से पठन तक
क्या आप कभी विदेश गए हैं या अपने देश के किसी अन्य राज्य में गए हैं, जहाँ आप स्थानीय भाषा नहीं पढ़ पाते थे? आप कैसे पता लगाते थे कि कहाँ जाना है क्या करना है या दुकानों के संकेतों और सड़क पर लगे पोस्टरों का अर्थ क्या है? क्या इसे समझने में आपसे कभी भूल होती है? जब आपने सही अनुमान लगा लिया तो क्या आपको खुशी हुई थी? क्या आपने इस नई भाषा को समझने के लिए अपने घर की भाषा के ज्ञान का उपयोग किया था?

आपके जो विद्यार्थी अभी तक पढ़ नहीं सकते, वे इसी 'पराये देश' में हैं। वे अलग अलग जगहों पर अलग अलग वस्तुओं पर वर्ण और शब्द लिखे हुए देखते हैं:– बाज़ारों में बक्सों पर, कपड़ों के लेबल पर, सड़क के विज्ञापन बोर्ड और ट्रैफिक संकेतों पर, घर में किताबों या पर्चों पर, मंदिर या मस्जिद में लिखी घोषणाओं पर, और मोबाइल फोन पर वे जानते हैं कि इन चिह्नों और संकेतों में जानकारी मौजूद है। वे शब्दों के आस-पास बने चीजों से अनुमान लगाकर इस जानकारी को 'पढ़ना' शुरू करते हैं, जैसे: चित्र, संकेत, रंग, आकृतियाँ, लेखन कहाँ स्थित है और लोग उस लेखन के साथ क्या करते हैं।

चित्र 2 को देखें। इस बारे में सोचें कि किस प्रकार शब्द और छवियाँ साथ मिलकर काम करते हैं, और आपको शब्दों और आकृतियों के साथ दिखने वाले रंग किस प्रकार काम करते हैं। यदि आप कोई लिखित भाषा पढ़ने में सक्षम न होते, तो आपको इन संकेतों का अर्थ कैसे समझ आता?

चित्र 2 तीन संकेत।

यदि आपको हिन्दी या अंग्रेज़ी भाषा की बिल्कुल भी जानकारी नहीं होती, तब भी आप अपने जीवन के अनुभव और दुनिया के ज्ञान का उपयोग करके इन संकेतों का अर्थ समझ लेते। विद्यार्थी भाषा और दुनिया के बारे में अपने ज्ञान का बढाते हैं।

कई शहरी विद्यार्थी ऐसे संकेतों को 'पढ़' सकते हैं, जिनसे कॉर्पोरेशनों और ब्रांड्स की पहचान होती है। इसी तरह ग्रामीण विद्यार्थी 'रेलवे क्रॉसिंग' या 'बस स्टॉप' के संकेतों को जानते हैं। विद्यार्थी जो परिवेशी प्रिंट पढ़ सकते हैं, उस पर उनके अभी तक के जीवन के अनुभवों, उनके निवास स्थान और उनके घर व समुदाय में आस-पास होने वाली गतिविधियों का प्रभाव पड़ता है।

2 परिवेशी प्रिंट को पहचानना

परिवेशी प्रिंट को पहचानना:

- विद्यार्थियों को 'पढ़ने' में सफलता का अहसास कराता है
- उन्हें अधिक पढ़ने की प्रेरणा देता है
- शब्दों, वाक्यों और लंबे पाठ को पढ़ने की नींव तैयार करता है।

लेकिन परिवेशी प्रिंट के संपर्क में आने से विद्यार्थी अपने आप ही पढ़ने नहीं लगते। शुरुआत में विद्यार्थी विशिष्ट परिवेशों के शब्दों को पहचान सकते हैं, लेकिन जब वही शब्द किसी और सन्दर्भ में आते हैं, तो वे उन्हें नहीं पहचान पाते।

गतिविधि 2: रूपांतरण परिवर्तन करना
चित्र 3 के दोनों चित्रों को देखें। दोनों चित्रों में 'fish' शब्द है। एक में संकेत दिए गए हैं, दूसरे में नहीं दिए गए हैं। आपके अनुसार किस 'fish' को पढ़ पाना छोटे विद्यार्थियों के लिए ज्यादा सरल होगा और यह ज्यादा सरल क्यों होगा? अपने विचारों के बारे में दूसरे शिक्षकों से चर्चा करें।

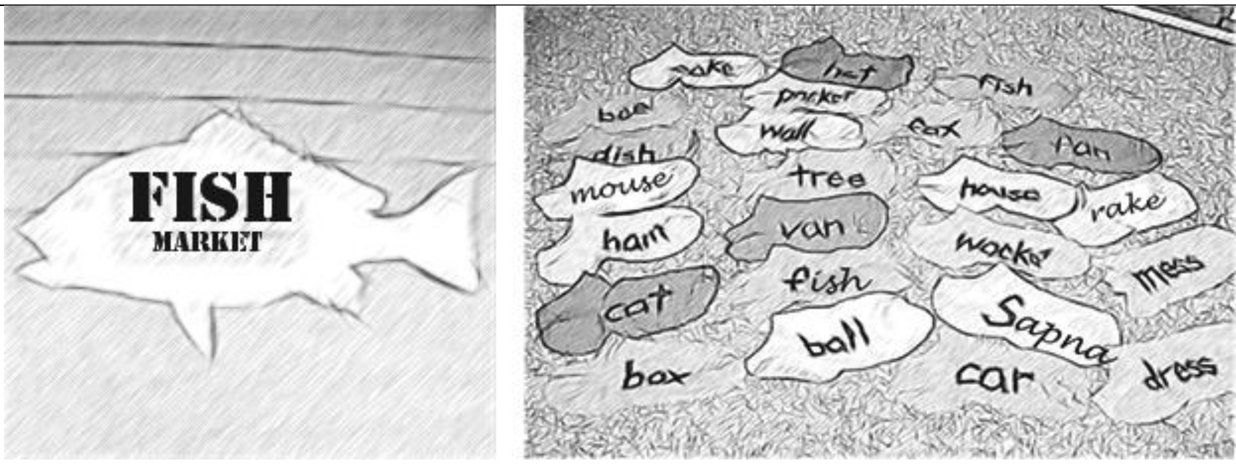

चित्र **3** सन्दर्भ का महत्व।

विचार कीजिए

- यदि आपकी कक्षा की दीवारों पर कोई शब्द प्रदर्शित हैं,तो वे शब्द अकेले लिखे हुए हैं या उनके साथ कोई 'संकेत' हैं?

3 कक्षा में परिवेशी प्रिंट प्रस्तुत करना

आपके विद्यार्थी कक्षा में कौन-से प्रिंट संसाधन ला सकते हैं? केस स्टडी 1 में, एक नई शिक्षिका अपने विद्यार्थियों के साथ एक प्रिंट-समृद्ध परिवेश बनाने के लिए पहल करती है।

केस स्टडी 1: कुमारी ममता एक कक्षा परिवेश विकसित करती हैं

जब कुमारी ममता पहली बार एक प्राथमिक स्कूल की शिक्षिका बनी थीं तो उन्हें कक्षा एक दी गई थी। ज्यादातर विद्यार्थी पहली-पीढ़ी के विद्यार्थी थे।

मुझ पर विद्यार्थियों के साक्षरता विकास की पूरी ज़िम्मेदारी थी। मैं हाल ही में शिक्षक प्रशिक्षण से निकली थी और मैं जानती थी कि प्रत्येक शिक्षक अध्यापन और शिक्षण सामग्री (TLM) खरीदने के लिए 500 रूपये प्राप्त कर सकता है। मैंने अलग अलग रंगों वाले कागज़, मार्कर पेन, पोस्ट-इट नोट्स, गोंद, कुछ कैचियां, कुछ चार्ट और राष्ट्रीय पुस्तक न्यास से कुछ कहानी की किताबें खरीदीं, जो अच्छी गुणवत्ता वाली और साथ ही कम कीमत वाली थीं।

इसके बाद मैंने अपने सबसे महत्वपूर्ण संसाधनों, अर्थात अपने विद्यार्थियों से कहा कि वे अध्यापन और सीखने की प्रक्रिया में मेरी मदद करें। मैंने उनसे कहा कि उन्हें जो भी छपी हुई सामग्री मिल सके वे उसे ले आएं। मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि वे कक्षा में क्या-क्या लेकर आए थे: फिल्मों के पोस्टर, विज्ञापन, रिसाइकल की गई पत्रिकाएँ और अखबार, भोजन के पैकेट, त्योहारों के ग्रीटिंग कार्ड, राजनैतिक पर्चे, मोबाइल फोन के निर्देश कंप्यूटर और प्रिंटर के निर्देश, और स्वास्थ्य घोषणाएँ। विद्यार्थियों द्वारा लाई गई प्रिंट सामग्री से यह भी पता चला कि उनकी रुचियाँ क्या हैं, वे क्या जानना या पढ़ना चाहते हैं, और उनके मन में किन बातों के बारे में जिज्ञासा है [जैसे चित्र 4 के उदाहरण]।

चित्र **4** प्रिंट सामग्री के उदाहरण।

इन संसाधनों के साथ, हमने कक्षा का प्रिंट परिवेश बनाना शुरू किया।

विद्यार्थी अपने साथ जो प्रिंट सामग्री लाए थे कैचियों की सहायता से उन्होंने उसमें से वर्ण और शब्द काटे। मेरी मदद लेकर उन्होंने हिन्दी में शब्द और छोटे वाक्य बनाए और मैंने उनके अंग्रेज़ी भाषा के समकक्ष लिखे। हमने दो अलग अलग लिपियों में, दो अलग अलग भाषाओं में एक जैसे अक्षरों की तुलना की:

house	ghar	घर
teeth	dant	दाँत
father	pita	पिता
mother	maa	मां

यह गतिविधि विद्यार्थियों के संचालन कौशल और आँखों व हाथ के तालमेल के विकास के लिए भी अच्छी थी। हमने अंग्रेज़ी भाषा और हिन्दी में वर्णों और शब्दों की भी प्रतिलिपि बनाई और शब्दों को समझाने के लिए चित्रों के साथ इनका उपयोग किया। हमने अपने पसंदीदा और सबसे रोचक शब्द दीवार पर लिखकर एक वर्ड वॉल बनाई।

एक नई शिक्षिका के रूप में यह सब मेरे लिए बहुत प्रोत्साहन करने वाला था। मेरे विद्यार्थियों ने सीखा कि चिह्न उनकी दुनिया में लोगों, जगहों और वस्तुओं के लिए होते हैं। उन्होंने अपनी शब्दावली बढ़ाई और द्विभाषी विद्यार्थियों के रूप में उनका आत्मविश्वास बढ़ा। कक्षा में अंग्रेज़ी भाषा का उपयोग करने का मेरा आत्मविश्वास भी बढ़ा।

4 परिवेशी प्रिंट के बारे में शिक्षकों की राय

हमने सरकारी स्कूलों के छः प्राथमिक शिक्षकों से यह बताने को कहा कि वे अपनी कक्षा में प्रिंट सामग्री का उपयोग कैसे करते हैं। उनके उत्तर ये थे:

- ‘मेरे विद्यार्थी स्वयं ही एक चार्ट में अपनी उपस्थिति दर्ज करते हैं ताकि वे अंग्रेज़ी भाषा में अपने नाम पढ़ सकें और उपस्थिति का चिह्न लगा सकें। वे अंग्रेज़ी भाषा में अपने नाम को पहचानना और चार्ट में अपने नाम लिखना सीख गए हैं। भाषा विकास के साथ-साथ इससे हमें अनुपस्थित रहने की आदत बंद करने में भी मदद मिलती है क्योंकि विद्यार्थियों को अपनी उपस्थिति दर्ज करवाने की प्रेरणा मिलती है।’
- ‘पाठ्यक्रम के विभिन्न विषयों के लिए विद्यार्थियों की बातों को मैं कागज़ की बड़ी शीट पर लिखता हूँ। मैं ठीक वही शब्द लिखता हूँ जो वे बोलते हैं और वे अपने नाम अंग्रेज़ी भाषा में लिखकर यह दर्शाते हैं कि ये सभी उनके शब्द हैं। इससे मैं यह देख पाता हूँ कि वे क्या जानते और समझते हैं। मैं उनके लेखन को कक्षा की दीवार पर प्रदर्शित करता हूँ और हम इसे साथ मिलकर पढ़ते हैं। मैं देखता हूँ कि विद्यार्थी अपने खुद के शब्द एक-दूसरे को पढ़कर सुनाते हैं और जब उनके अभिभावक स्कूल में आते हैं, तो उन्हें भी सुनाते हैं।’

- 'मैं अपनी कक्षा की वस्तुओं (chair, table, pencils) और यहाँ तक कि कक्षा के बाहर की वस्तुओं पर भी (door, gate, road, entrance, office) हिन्दी और अंग्रेज़ी में लेबल लगाता हूँ। यहाँ तक कि कक्षा के शौचालय में भी मैंने एक संकेत लगाया जिसमें उन्हें फ्लश चलाने की याद दिलाई गई थी flush और wash their hands. इसके द्वारा मैं विद्यार्थियों से इस बारे में बात करने में सक्षम था कि कीटाणुओं, संक्रमणों और बीमारी से कैसे लड़ा जाए।'
- 'हम सिर्फ स्कूल तक ही नहीं रुकते – हम साक्षरता को विद्यार्थियों के घरों तक जोड़ना चाहते हैं। विद्यार्थियों ने और मैंने उनके घरों की उन जगहों के बारे में बात की, जहाँ लेबल लगाए जा सकते थे (किचन, पॉट, मंदिर, खिड़की, कुर्सी) और घरों में किस तरह के लेबल लगाए जा सकते थे, जैसे "Take off your shoes" और "Wash your hands before eating"। हमने लेबल अंग्रेज़ी और हिन्दी में बनाए। विद्यार्थी लेबलों को अपने घर ले गए। एक माँ ने तो स्कूल में आकर मुझे बताया कि उन्होंने अपने घर के लिए एक कूड़ादान खरीदा था क्योंकि उनकी बेटी जो लेबल घर लाई थी, उनमें से एक "Dustbin" था और उस पर यह संदेश "Throw your garbage in a bin" था। हम अनुभव से यह जानते हैं कि इस तरह की गतिविधि घर में और स्कूल में करने से अभिभावकों को उनके विद्यार्थियों के साथ पढने के लिए प्रोत्साहन मिलता है।'
- 'मैं एक छोटे गाँव के सरकारी स्कूल में पढाता हूँ। मैंने अपने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करता हूँ कि वे अपने परिवार के लिए अंग्रेज़ी भाषा में सरल संदेशों वाले ग्रीटिंग कार्ड बनाएँ, जिन्हें घर में पढ़ा जा सके। अभिभावकों ने इसकी बहुत प्रशंसा की है और उन्हें इस बात पर गर्व महसूस होता है कि उनके बच्चे अंग्रेज़ी भाषा लिख और पढ़ सकते हैं।'
- 'मैं कक्षा के सभी संवाद और दिनचर्या के लिए "व्यावहारिक प्रिंट" बनाता हूँ उदाहरण के लिए, दैनिक शेड्यूल। मैंने यह सुनिश्चित करता हूँ कि इसे देखूं और विद्यार्थियों को भी इस पर ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित करूँ। इससे उन्हें अपनी स्वयं की शिक्षा का प्रबंधन करने में मदद मिल सकती है। बोर्ड पर मैं सप्ताह का दिन और महीना, स्कूल में आने वाले मेहमानों के नाम, व्यवहार के नियम और सुबह्र का संदेश लिखता हूँ। विद्यार्थियों को इस बात के लिए प्रोत्साहित करना महत्वपूर्ण है कि वे इन्हें रोज़ पढ़ें और इनके बारे में बात करें।'
- 'मैं एक ग्रामीण स्कूल में पढाता हूँ और मेरी कक्षा छोटी है। एक दीवार पर बोर्ड है और बाकी दीवारों पर खिड़कियाँ और दरवाज़ा है। प्रदर्शन बोर्ड या टेबल के लिए बहुत ज्यादा जगह लगती, इसलिए मैंने विद्यार्थियों का काम कक्षा के दरवाज़े के ठीक बाहर वाली दीवार पर लगा दिया। अन्दर, मैं हर विद्यार्थी के काम को कपड़े फंसाने के चिमटों, पेपर क्लिप, टेप या कभी-कभी काँटों का उपयोग करके रस्सी पर लगाता हूँ। कपड़े सुखाने वाली रस्सी जैसी यह रस्सी कक्षा में आर-पार बंधी हुई है। कमरे को लेखन और चित्रों से सजाने से कमरा ज्यादा आकर्षक और लुभावना लगता है।'
- 'मैं एक से ज्यादा ग्रेड और एक से ज्यादा स्तरों वाली कक्षा में पढ़ाती हूँ। महीने में एक बार हम बड़े विद्यार्थियों के लिए "translation workshop" करते हैं। वे अपने घरों से सरल प्रिंट सामग्रियाँ – ज्यादातर शादियों के निमंत्रण पत्र लाते हैं। समूह में काम करते हुए, वे मेरी मदद से कार्ड की सामग्री का अंग्रेज़ी में अनुवाद करते हैं। मैंने उन्हें घर ले जाती हूँ और मेरी पड़ोसन की मदद से अनुवादों का संपादन करती हूँ। अब हम मूल निमंत्रण पत्र और संपादित अनुवादित संस्करण दोनों को डिस्प्ले बोर्ड पर लगाते हैं, ताकि छोटे विद्यार्थी इन्हें पढ़ सकें।'

विचार कीजिए

- प्रत्येक उदाहरण में, परिवेशी प्रिंट के आधार पर अध्यापन और शिक्षण की पहचान करें।
- विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और शैक्षिक विकास के संबंध में इन गतिविधियों के अन्य लाभ क्या हैं?
- क्या आप भी इन शिक्षकों जैसा ही कुछ करते हैं?

वीडियो: सभी की सहभागिता

5 कक्षा में परिवेशी प्रिंट का उपयोग

गतिविधि 3: अपनी कक्षा का निरीक्षण करें – एक नियोजन गतिविधि
अपनी कक्षा का निरीक्षण करें। यदि आप परिवेशी प्रिंट को प्रस्तुत करने के लिए कोई एक या दो परिवर्तन कर सकते हों तो वे परिवर्तन क्या होंगे? आपके अनुसार इन परिवर्तनों से अध्यापन और सीखने में कैसे सुधार होगा?

क्या इन परिवर्तनों को करने के लिए आप कोई व्यावहारिक कदम उठा सकते हैं?

आसानी से उपलब्ध सामग्रियों, जैसे फेंक दिए गए खोखे, टाट के बोरे और उपयोग की जा चुकी पैकेजिंग सामग्रियों का उपयोग करके सरल डिस्प्ले बोर्ड बनाने के तरीकों के बारे में सोचें।

कक्षा के परिवेश में सभी विद्यार्थियों को शामिल करने के महत्व के बारे में ज्यादा जानने के लिए संसाधन 2, 'सभी को शामिल करना' देखें।

गतिविधि 4: कक्षा का वर्गीकरण

यदि आपकी एक ज़्यादा विद्यार्थियों वाली कक्षा है तो आप यह गतिविधि हर दिन विद्यार्थियों के एक अलग अलग समूह के साथ कर सकते हैं।

बड़ी उम्र वाले जिन विद्यार्थियों को अंग्रेज़ी भाषा का कुछ अनुभव है। उनके लिए इस गतिविधि को अनुकूलित करें ताकि कार्ड केवल अंग्रेज़ी भाषा में हों और विद्यार्थी ये कार्ड खुद लिखें।

आपको जो संसाधन चाहिए होंगे उनमें कार्ड पेन और टेप शामिल हैं।

- कुछ कार्ड दो भाषाओं में तैयार करें लेकिन कुछ कार्ड खाली रहने दें ताकि विद्यार्थी अपने विचारों से उनमें योगदान कर सकें।
- विद्यार्थियों को बताएँ कि सही वस्तु या शेल्फ पर सही नाम लगाने में आपको उनकी मदद चाहिए।
- विद्यार्थियों को बताएँ कि आप लोग साथ मिलकर अंग्रेज़ी भाषा सीखेंगे और उसका अभ्यास करेंगे।
- आपने अंग्रेज़ी भाषा में और एक अन्य भाषा में जो वर्गीकरण चार्ट बनाया है, वह विद्यार्थियों को दिखाएँ जैसे: 'desk', 'window' 'chair'. विद्यार्थियों को उक्त नाम घर की भाषा/हिन्दी में और अंग्रेज़ी भाषा में पढ़कर सुनाएँ। साथ मिलकर अंग्रेज़ी भाषा में शब्दों का अभ्यास करें।
- विद्यार्थियों से पूछें कि नामपत्र कहाँ रखे जाने चाहिए; जैसे बुकशेल्फ पर, दरवाज़े पर, टेबल पर, डेस्क पर।
- विद्यार्थियों से पूछें कि कक्षा में और कहाँ नामपत्र लगाए जा सकते हैं या कोई संकेत चिह्न लगाए जा सकते हैं ताकि स्कूल में आने वाले लोगों को उनसे मदद मिले।
- जब आप हर नामपत्र या संकेत पर लिखते हैं तो वर्णों और शब्दों के नाम भी बोलें।
- साथ मिलकर दोनों भाषाओं में शब्दों को बोलने का अभ्यास करें।

कक्षा के नामपत्र के उदारहण चित्र 5 में दिखाए गए हैं।

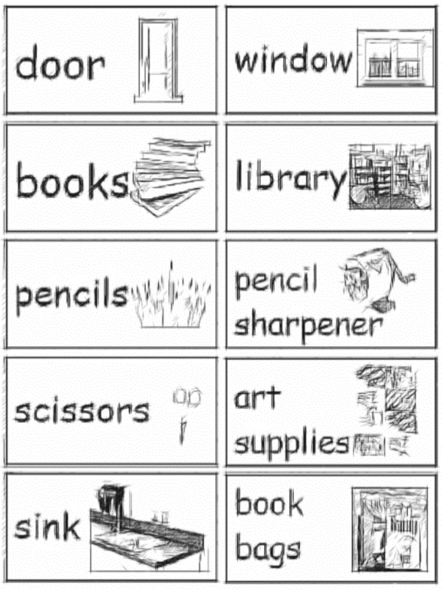

चित्र **5** कक्षा के नामपत्र ।

जब आप कक्षा में नामपत्र लगाते हैं, तो पढ़ाते समय आप दिन भर उन शब्दों का ज़िक्र कर सकते हैं। विद्यार्थियों से कहें कि आप जिन शब्दों का उपयोग कर रहे हैं, वे उन्हें ढूंढें और उनकी तरफ इशारा करें। विद्यार्थी जब आपसे और एक-दूसरे से बात करते हैं तो बातचीत में उन्हें इन शब्दों का उपयोग करना चाहिए, जैसे:

- 'Shusheela, please bring the books.'
- 'Yes, I will bring the books.'
- 'Thank you. Mohan, please go and open the door.'
- 'Yes, I will open the door.'

कक्षा में नामपत्र लगाने से विद्यार्थियों का अंग्रेज़ी भाषा के पढ़ने, बोलने और सुनने का कौशल विकसित होगा। आपके रचनात्मक आकलन मौखिक प्रश्नों और उत्तरों पर आधारित होंगे तथा उन क्षेत्रों को पहचानने में आपकी मदद करेंगे जिनमें विद्यार्थियों को अतिरिक्त अभ्यास करने की ज़रुरत है।

गतिविधि 5: पारस्परिक शब्दों की दीवार वर्ड वॉल

विभिन्न तरह के शब्दों की विषयों के बारे में संसाधन 1 में पढ़ें। चित्र को देखकर सोचें कि आपकी कक्षा में क्या संभव और क्रियात्मक है।

अपनी कक्षा में शब्दों की बनाने के लिए एक विषय चुनें। अपने विचारों के बारे में अपने साथी शिक्षकों या प्रधानाध्यापक से चर्चा करें।

विद्यार्थी कक्षा में प्रदर्शित किए गए शब्दों और वाक्यों को देख और छू पाने में सक्षम होने चाहिए। दैनिक शब्दों की दीवार(word wall) गतिविधियाँ अक्सर होनी चाहिए, और ये छोटी व मज़ेदार होनी चाहिए – तथा दिन के केवल किसी विशिष्ट समय पर ही नहीं होनी चाहिए। सप्ताह के नए शब्दों के लिए उत्साह और शोर के साथ बातचीत को, तथा ऐसी चर्चाओं को प्रोत्साहन दें, जो विद्यार्थियों का ध्यान इस बात की ओर खींचती हों कि शब्द कैसे दिखते हैं और उनका उच्चारण कैसा है।

ध्यान दें: एक शिक्षक का कार्य सिर्फ लेखन को कक्षा की दीवारों तक पहुँचाने भर से ख़त्म नहीं होता। आपको इन संसाधनों के उपयोग में विद्यार्थियों की मदद भी करनी होगी। दैनिक शब्दों की गतिविधियों के लिए लंबे अध्यापन सत्रों की आवश्यकता नहीं है; वे सिर्फ सप्ताह के दिन को पढ़ने और बोलने, विद्यार्थियों के नाम पढ़ने, या सप्ताह का कोई विशेष शब्द पढ़ने में लगने वाले समय के बराबर भी हो सकती हैं। शब्दों की दीवार को अपनी लेखन योजनाओं में एकीकृत करें और विद्यार्थियों के लिए ऐसे अवसर तैयार करें, जिनमें वे रचनात्मक लेखन, स्पेलिंग और शब्दावली के लिए स्वतंत्र रूप से शब्दों की दीवार (word wall) का उपयोग कर सकें। स्कूली दिन के दौरान बार-बार शब्दों की दीवार का उपयोग करने से आपको कक्षा में अंग्रेज़ी भाषा के उपयोग के बारे में अधिक आत्मविश्वासी रहने में मदद मिलेगी।

6 सारांश

यह इकाई परिवेशी प्रिंट पर केंद्रित थी। यह ऐसा लेखन है जिससे हम अपने दैनिक जीवन में संपर्क में आते हैं। यह ऐसा लेखन है जिसे हर कोई देख सकता है, साझा कर सकता है और उसके बारे में बात कर सकता है, इसलिए यह अध्यापन और शिक्षण के लिए एक सशक्त संसाधन है। एक 'प्रिंट-समृद्ध' कक्षा के द्वारा विद्यार्थियों का पढ़ने का आत्मविश्वास बढ़ सकता है। जो विद्यार्थी संदर्भात्मक संकेत (जैसे चित्र, स्थान, वस्तुएँ, रंग या आरेख) का उपयोग करके अपने परिवेश में लेखन का अर्थ समझना सीख लेते हैं वे 'वास्तविक' पठन की ओर ज्यादा आसानी से बढ़ने में सक्षम होंगे।

प्रिंट, अध्यापन सामग्रियों और विद्यार्थियों के लेखन के उदाहरणों के अन्योन्य क्रियात्मक प्रदर्शन से शिक्षण मज़बूत हो सकता है और उन्हें उनके कार्य पर गर्व महसूस करने का प्रोत्साहन मिलता है। विद्यार्थियों के स्वयं के लेखन को प्रदर्शित करने से उन्हें न सिर्फ प्रेरणा मिलती है, बल्कि अंग्रेज़ी भाषा में सरल और उपयोग के लिए तैयार पाठ भी बन जाता है जिसे अन्य विद्यार्थी भी शिक्षक के साथ या उनके बिना पढ़ सकते हैं। प्रदर्शन आपकी कक्षा को सजाने और आपके अभ्यास को "दिखाने" का एक अच्छा तरीका हैं। जब अभिभावक आपकी कक्षा में आते हैं तो उन्हें तुरंत दिखाई देता है कि क्या पढ़ाया जा रहा है।

हमें आशा है कि आपने इस इकाई की पठन और क्रियात्मक गतिविधियों का आनंद लिया होगा और आपने अपनी कक्षा में एक अन्योन्य क्रियात्मक,प्रिंट-समृद्ध परिवेश तैयार करने व साथ ही अंग्रेज़ी भाषा का उपयोग करके आत्मविश्वास विकसित करने के लिए विचार विकसित कर लिए होंगे।

इस विषय पर अन्य आरंभिक अंग्रेजी भाषा अध्यापक विकास इकाइयाँ हैं:

- *लिखने की शुरूआत करना*
- *लेखन कौशल–विकास एवं मॉनीटरिंग करना*

संसाधन

संसाधन 1: शब्दों की दीवार (word wall) के विषय

जब शब्दों का एक संग्रह कक्षा में एक व्यवस्थित तरीके से प्रदर्शित किया जाता है, तो अक्सार इसे 'शब्दों की दीवार' कहते हैं। इस प्रदर्शन का उपयोग पढ़ने, लिखने, शब्दावली विकास, स्पेलिंग पैटर्न, शब्द/चित्र संबंध और सन्दर्भ के लिए एक व्यावहारिक संसाधन के रूप में किया जा सकता है। शब्दों की दीवार को अलग अलग थीम में श्रेणीबद्ध किया जा सकता है, जैसे रंग, नाम, दिनचर्या के शब्द, मदद शब्द और संख्याओं के नाम, एक समान पहले या अंतिम वर्णों वाले शब्द, और शब्द परिवार।

शब्दों की दीवार एक ऐसा तरीका है, जिसके द्वारा शिक्षक कम खर्च में विज्ञान से लेकर कला तक किसी भी विषय में अंग्रेज़ी भाषा की शब्दावली विकसित करने और सुदृढ़ बनाने में विद्यार्थियों की मदद कर सकते हैं। इसकी कोई सीमा नहीं है कि आप कितनी शब्दों की दीवार विकसित कर सकते हैं। आपकी शब्दों की दीवार का आकार और आकृति आपकी कक्षा के आकार और आकृति पर निर्भर होंगे। आप चॉकबोर्ड, चार्ट पेपर, कागज़ और धरस्सी, या आपकी कक्षा की अंदरूनी व बाहरी दीवारों का उपयोग कर सकते हैं।

चित्रों R1.1–1.3 को देखें और इस बारे में सोचें कि आपकी कक्षा के लिए क्या संभव है।

चित्र **R1.1** चार्ट पेपर, स्ट्रिंग और पेग्स का उपयोग करना।

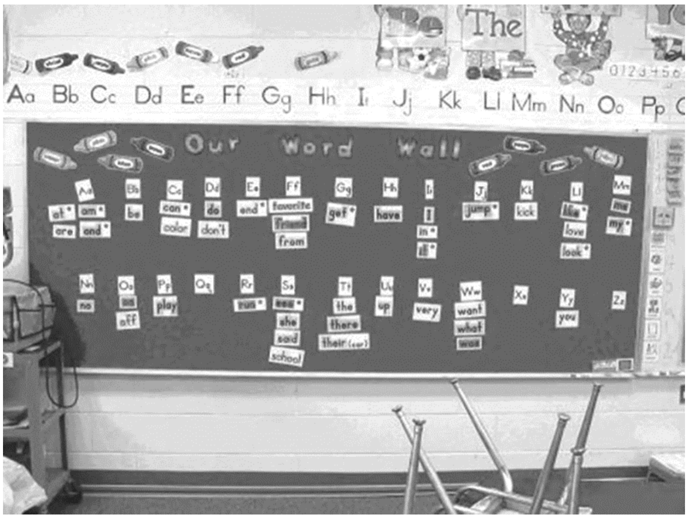

चित्र **R1.2** अंग्रेज़ी भाषा वर्णमाला की शब्दों की दीवार।

चित्र **R1.3** दीवार के सभी स्थानों का उपयोग करना।

उच्च-आवृत्ति वाली शब्दों की दीवार

प्राथमिक कक्षा के पाठ में मुख्यतः बार-बार आने वाले शब्द होते हैं – ये ऐसे शब्द होते हैं, जो बातचीत में या किताबों में अक्सर आते हैं। (चित्र R1.4 में उदाहरण दिखाए गए हैं।) अंग्रेज़ी भाषा सीखने वाले विद्यार्थी जब इन शब्दों को जल्दी और आसानी से पहचान लेते हैं, तो वे अपना भाषा-संबंधी कौशल बढ़ा सकते हैं।

चित्र **R1.4** उच्च-आवृत्ति वाले शब्दों को बदलने के लिए एक चार्ट।

साहित्यिक शब्दों की दीवार

ऐसी शब्दों की दीवार बनाई जा सकती हैं, जिससे बड़े विद्यार्थियों को साहित्यिक अध्ययन के दौरान मदद मिले। कक्षा जिस साहित्यिक अंश को पढ़ने वाली है, शिक्षक को उसमें से मुख्य शब्द, शब्दावली के नए शब्द या वर्णों के नाम चुनने चाहिए। जब ये शब्द पाठ में आते हैं, तो उन्हें कागज़ पर लिखकर कक्षा में किसी केंद्रीय स्थान पर एक साथ लगाया जाना चाहिए। यह वॉल इन नए शब्दों को सीखने में विद्यार्थियों की मदद करेगी और कक्षा में पुस्तक के बारे में चर्चा करते समय महत्वपूर्ण जानकारी तक तुरंत पहुँचा जा सकेगा।

एक साहित्यिक शब्दों की दीवार में कहानी की मुख्य पटकथा या इसके पात्रों के चित्रात्मक वर्णन भी हो सकते हैं (चित्र R1.5)। ये चित्र कहानी के बारे में एक पंक्ति, पात्रों के नाम या कहानी से संबंधित किसी भी महत्वपूर्ण और यादगार सामग्री से जुड़े हो सकते हैं। किसी विशिष्ट कहानी से जुड़े शब्दों को प्रदर्शित करने वाली एक शब्दों की दीवार में लेखक, चित्रकार और अनुवादक (यदि कोई हो) के नाम भी शामिल होने चाहिए।

चित्र **R1.5** एक कहानी और उसके पात्रों के बारे में एक शब्दों की दीवार।

मौसमी शब्दों की दीवार

वर्ष के मौसमों के बारे में प्राथमिक ग्रेड कक्षाओं की अध्ययन इकाइयाँ। इस प्रकार 'मौसम' का उपयोग एक शब्दों की दीवार विकसित करने के लिए सन्दर्भ के रूप में किया जा सकता है (चित्र R1.6)। एक मौसमी शब्दों की दीवार बनाने के लिए किसी विशिष्ट मौसम पर ध्यान केंद्रित करने वाले महत्वपूर्ण मुख्य शब्दों का उपयोग किया जा सकता है।

चित्र **R1.6** एक मौसमी भाब्दों की दीवार।

जब प्रत्येक शब्द प्रस्तुत किया जाता है तो इसे कागज़ के एक टुकड़े पर लिखकर कक्षा में लगाया जाना चाहिए। समय के साथ-साथ मौसम से संबंधित शब्दों का एक कलेक्शन विकसित हो जाएगा। उदाहरण के लिए 'इन दिनों (गर्मियों में) बाज़ार इनसे भरे रहते है...' शीर्षक वाली एक दीवार पर मौसमी फलों, मौसमी सब्जियों और गर्मियों के कपड़ों, या अन्य वस्तुओं जैसे कोल्ड ड्रिंक्स, जूस, आइसक्रीम, छाते, धूप की टोपियों, चश्मों आदि के बारे में अवलोकन हो सकते हैं।

मौसम खत्म हो जाने पर इन शब्दों को कक्षा के किसी अन्य भाग में ले जाया जा सकता है। जैसे-जैसे मौसम बदलते हैं, तो विद्यार्थी हर मौसम के साथ जुड़े शब्दों के कलेक्शन को फिर से देख पाने में सक्षम होंगे और वे वर्ष के हर समय के बीच समानताएँ और अंतर देख सकेंगे।

एक भाब्दों की दीवार का उपयोग अन्य गतिविधियों के लिए संसाधन के रूप में भी किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, विद्यार्थी एक मौजूदा शब्दों की दीवार पर लिखे शब्दों का उपयोग करके कोई नई कविता या कहानी तैयार कर सकते हैं। ऐसा करने से उन्हें अलग अलग उद्देश्यों के लिए शब्दों का उपयोग करने का अवसर मिलेगा।

छोटे या प्री-लिटरेट विद्यार्थियों के साथ वर्ष की शुरुआत करना

अपने स्कूली सत्र और शब्दों की दीवार की शुरुआत अपनी कक्षा की पहचान के साथ करें। हर दिन पाँच विद्यार्थियों को नाम लिखें जब तक कि सभी के नाम दीवार पर न आ जाएँ। हर दिन थोड़ा समय देकर पाँच नामों को देखें और उन नामों के ध्वनि और वर्ण पैटर्न पर ध्यान केंद्रित करें। उदाहरण के लिए यदि 'चुन्नी' (Chunni) नाम जोड़ा जाता है, तो आप 'च' की ध्वनि कपर ध्यान देने और उसी ध्वनि वाले अन्य शब्दों के बारे में बात करने के लिए थोड़ा समय दे सकते हैं।

आप दीवार पर पहले से मौजूद नामों के साथ नए नामों की तुलना कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, चुन्नी (Chunni) के अंत में आने वाला 'i' क्या 'सृष्टि' (Srishti) के अंत में आने वाले 'i' से अलग है या इसी के समान है? इस तरह, विद्यार्थियों को वर्णों, ध्वनियों और स्पेलिंग पैटर्न के बारे में अपने शुरूआती पाठ सीखने को मिलेंगे।

किसी भी विषय के लिए हर सप्ताह शब्दों की दीवार में पाँच शब्द जोड़ें। आप सोमवार को सभी पाँच शब्द प्रस्तुत कर सकते हैं। सभी पाँच शब्दों को सोमवार को विद्यार्थियों के आने से पहले एक पॉकेट चार्ट में रखना एक महत्वपूर्ण संसाधन है। विद्यार्थी जब कक्षा में आते हैं, तो वे पॉकेट चार्ट के इन नए शब्दों के बारे में जानना चाहेंगे। उन्हें पॉकेट चार्ट के शब्द खुद देखने और पढ़ने की कोशिश करने दें। कभी-कभी, विद्यार्थी कक्षा में 'शब्दों की दीवार टाइम' से पहले नए शब्द पढ़ेंगे। इससे रोचक चर्चाएँ और शिक्षण हो सकता है।

लेखन शब्दों की दीवार

लेखक, विशेषतः छोटी कक्षाओं वाले, अक्सर अपने लेखन में उपयोग के लिए व्यापक विविधता वाली शब्दावली पुनर्प्राप्त कर पाने में कठिनाई महसूस करते हैं। अपनी दीवार पर शब्दों की सूचियाँ लगाकर आप उनकी याददाश्त को तेज़ बनाने में मदद कर सकते हैं। यह सूची सामान्य या विशिष्ट हो सकती है। यदि आपकी कक्षा लेखन की किसी विशिष्ट पद्धति का अध्ययन कर रही है तो आप उस प्रकार के लेखन में अक्सर उपयोग किए जाने वाले शब्द लिख सकते हैं। उदाहरण के लिए, जब कक्षा तुलना-और-अंतर (compare-and-contrast) लेखन पर काम कर रही है तो 'एक समान', 'अलग अलग' 'समान', 'विपरीत' जैसे शब्द शब्दों की दीवार पर लिखे जा सकते हैं ताकि विद्यार्थियों को उनके लेखन में इन शब्दों का उपयोग करना याद रहे।

स्पेलिंग भाब्दों की दीवार

एक स्पेलिंग भाब्दों की दीवार को वर्णमाला के क्रम में व्यवस्थित किया जाना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को जब शब्दों की वर्तनी लिखने की ज़रुरत हो तो उन्हें ये शब्द ढूँढने में मदद मिले। इस दीवार में ऐसे शब्द होने चाहिए, जिनके संपर्क में आपकी कक्षा के विद्यार्थी आते हैं और उनकी वर्तनी सीखना चाहते हैं। लेखन में होने वाली वर्तनी की आम त्रुटियाँ साहित्य से मुख्य शब्द, साप्ताहिक वर्तनी सूचियाँ और यहाँ तक कि विद्यार्थियों के नाम भी शब्दों की दीवार में जोड़े जा सकते हैं। दीवार हमेशा 'कार्य प्रगति में है' वाली स्थिति में होनी चाहिए। जब भी आप और आपकी कक्षा के विद्यार्थी यह तय करते हैं कि किसी शब्द की वर्तनी सीखनी है तो वह शब्द जोड़ा जाना चाहिए। स्पेलिंग परीक्षाओं के दौरान आप वर्तनी शब्दों की दीवार को कोरे कागज़ से ढँक सकते हैं।

शब्द भेद शब्दों की दीवार

कभी-कभी हम सभी को यह समझने में कठिनाई होती है कि किसी अंग्रेज़ी भाषा के वाक्य में कोई शब्द व्याकरण के किस शब्द-भेद में आता है। अंग्रेज़ी भाषा के व्याकरण की बुनियादी अवधारणाएं समझने में विद्यार्थियों की मदद करने के लिए शिक्षक शब्द-भेद (अर्थात संज्ञा, क्रिया, विशेषण, क्रिया-विशेषण आदि) के अनुसार व्यवस्थित शब्दों की दीवार बना सकते हैं। जैसे-जैसे विद्यार्थी नए शब्द सीखते या पढ़ते हैं तो वे प्रत्येक शब्द को सही व्याकरणिक शब्द-भेद में जोड़ सकते हैं। यदि आप विद्यार्थियों को सिखाना चाहते हैं कि विशेषणों का उपयोग करके वे अपने लेखन में रुचि कैसे जोड़ सकते हैं, तो आप 'अद्भुत विशेषणों' (amazing adjectives) वाली एक शब्दों की दीवार बना सकते हैं। जैसे-जैसे कक्षा कहानियाँ और कविताएँ पढ़ती है तो विद्यार्थियों से सुनने और रोचक वर्णन करने वाले शब्दों को ढूँढकर ये विशेषण विशेष शब्दों की दीवार में जोड़ने को कहें। इसी तरह आप 'विभिन्न क्रियाओं' (vivid verbs) के लिए भी एक दीवार बना सकते हैं।

पाठ्यपुस्तक इकाई/अध्याय भाब्दों की दीवार

यह शब्दों की दीवार अध्ययन की किसी विशिष्ट इकाई या अध्याय के लिए सहायक हो सकती है। आप और आपके विद्यार्थी किसी इकाई या अध्याय से मुख्य शब्द चुनकर उन्हें कागज़ पर लिख सकते हैं। जैसे-जैसे प्रत्येक शब्द प्रस्तुत होता है तो इसे वर्णक्रमानुसार शब्दों की दीवार पर जोड़ा जाना चाहिए। इकाई या अध्याय के अंत में शब्दों की दीवार हटाई जा सकती है। यदि आपके पास सीमित स्थान है तो यह आपकी कक्षा में शब्दों की दीवार का उपयोग करने का एक अच्छा तरीका है। सारणी R1.1 में इस प्रकार की शब्दों की दीवार का एक उदाहरण है।

सारणी ***R1.1*** *'The Magic Garden' (मैरीगोल्ड कक्षा तीन की पाठ्यपुस्तक) के लिए वर्ड वॉल।*

Aa after again against all	**Bb** birds bread	**Cc** cans	**Dd** danced dear dig dreaming dress	**Ee** **e**gg	**Ff** fairy flowers	**Gg** garden gardeners ground	**Hh** happily help high
Ii indeed	**Jj** Ju**g**	**Kk** **k**ite	**Ll** laughing little love	**Mm** magic morning most	**Nn** next nothing	**Oo** **o**range	**Pp** playground
Qq quite	**Rr** roots roses running	**Ss** school singing students sunflowers sunny sunshine	**Tt** talking tall thirsty tiny	**Uu** **u**mbrella	**Vv** very	**Ww** wall watering wings	**Xx** **x**–ray
Yy **y**ellow	**Zz** **z**oo						

संसाधन 2: सभी की सहभागिता

सभी की सहभागिता या 'सभी को शामिल करें' का क्या अर्थ है?

संस्कृति और समाज की विविधता कक्षा में प्रतिबिंबित होती है। विद्यार्थियों की भाषाएं, रुचियां और योग्यताएं अलग-अलग होती हैं। विद्यार्थी विभिन्न सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमियों से आते हैं। हम इन विभिन्नताओं को अनदेखा नहीं कर सकते हैं। वास्तव में हमें उन्हें सकारात्मक रूप से देखना चाहिए क्योंकि हमारे लिए ये एक दूसरे के बारे में तथा हमारे अनुभव से परे के संसार को जानने और समझने के लिए माध्यम का काम कर सकते हैं। सभी विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने एवं अपनी स्थिति, योग्यता और पृष्ठभूमि से इतर जाकर सीखने का अवसर हासिल करने का अधिकार है और इस बात को भारतीय कानून में एवं अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकारों में मान्यता प्राप्त है। 2014 में राष्ट्र के नाम अपने पहले संबोधन में प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत के सभी नागरिकों के मूल्यों, मान्यताओं को महत्व दिए जाने पर बल दिया भले ही किसी नागरिक की जाति, लिंग या आय कुछ भी क्यों न हो। इस संबंध में विद्यालयों और अध्यापकों की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है।

हम सभी के पास उन दूसरे लोगों को लेकर पूर्वाग्रह और विचार होते हैं जिनसे हमारा परिचय या साक्षात्कार नहीं हुआ हो सकता है। एक अध्यापक के रूप में, आपके पास प्रत्येक विद्यार्थी के शैक्षिक अनुभव को सकारात्मक या नकारात्मक ढंग से प्रभावित करने की शक्ति होती है। चाहे जानबूझकर हो या अनजाने में, आपके निहित पूर्वाग्रहों और विचारों का इस बात पर अवश्य प्रभाव होगा कि आपके विद्यार्थी कितनी बराबरी के साथ सीख रहे हैं। आप अपने विद्यार्थियों को असमान व्यवहार से सुरक्षित करने के लिए कदम उठा सकते हैं।

आपके द्वारा अधिगम में सभी को शामिल करना सुनिश्चित करने के लिए तीन प्रमुख सिद्धांत

- ध्यान देना:- प्रभावी अध्यापक चौकस, अनुभवी एवं संवेदनशील होते हैं। वे अपने विद्यार्थियों में होने वाले बदलावों पर *ध्यान* देते हैं। यदि आप चौकस हैं तो आप उन बातों पर ध्यान देंगे कब एक विद्यार्थी कुछ अच्छा करता है, कब उसे सहायता की आवश्यकता होती है और कब वह दूसरों के साथ जुड़ता है। आप अपने विद्यार्थियों में होने वाले परिवर्तनों का भी अनुभव कर सकते हैं जो उनकी घरेलू परिस्थितियों या अन्य समस्याओं के चलते प्रतिबिंबित हो सकते हैं। सभी को शामिल करने के लिए दैनिक रूप से अपने विद्यार्थियों पर खास तौर पर उपेक्षित या प्रतिभागिता करने में असमर्थ महसूस कर सकने वाले विद्यार्थियों पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है।
- आत्मसम्मान पर ध्यान केंद्रित करना:- अच्छे नागरिक वे होते हैं जो अपने स्वत्व को लेकर सहज होते हैं। उनमें आत्मसम्मान की भावना होती है, उन्हें अपनी शक्तियों और कमजोरियों का पता होता है और उनमें व्यक्तियों की पृष्ठभूमि के प्रति पूर्वाग्रह रखे बिना सकारात्मक संबंध स्थापित करने की योग्यता होती है। वे स्वयं का और दूसरों का सम्मान करते हैं। एक अध्यापक के रूप में आपका युवा विद्यार्थियों के

आत्मसम्मान पर महत्वपूर्ण प्रभाव हो सकता है; अपनी इस शक्ति के बारे में जानें और प्रत्येक विद्यार्थी के अंदर आत्मसम्मान विकसित करने के लिए उसका प्रयोग करें।

- लचीलापन:- यदि कोई विधि या गतिविधि आपकी कक्षा में किसी विशिष्ट विद्यार्थी, समूह या व्यक्ति के लिए काम नहीं कर रही है तो अपनी योजनाओं में बदलाव करने या गतिविधि को रोकने के लिए तैयार रहें। लचीली दृष्टि रखने से आप समायोजन करने में सक्षम होंगे जिससे आप अधिक प्रभावी ढंग से सभी विद्यार्थियों को सहभागी बना सकते हैं।

हर समय आपके द्वारा अपनाए जा सकने वाले दृष्टिकोण

- अच्छा व्यवहार प्रस्तुत करना:- जातीयता, धर्म या लिंग का भेदभाव किए बिना अपने विद्यार्थियों के साथ अच्छे ढंग से व्यवहार कर उनके सामने आदर्श प्रस्तुत करें। सभी विद्यार्थियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें और अपने शिक्षण के माध्यम से यह बात स्पष्ट करें कि आप सभी विद्यार्थियों को एक समान महत्व देते हैं। उन सभी के साथ सम्मान से बात करें, उनके विचार उपयुक्त होने पर उसे महत्व दें और उन्हें सभी के लिए लाभप्रद कार्य लेने के द्वारा कक्षा के लिए जिम्मेदारी उठाने को प्रोत्साहित करें।
- अधिक उम्मीदें:- योग्यता सीमित नहीं होती है; यदि विद्यार्थियों को उचित सहायता मिले तो वे सीख सकते हैं और प्रगति कर सकते हैं। यदि किसी विद्यार्थी को आपके द्वारा कक्षा में की जा रही गतिविधि समझने में मुश्किल हो रही है तो ऐसा न समझें कि वे अब कभी भी जान और समझ नहीं सकते। एक अध्यापक के रूप में आपकी भूमिका बेहतरीन ढंग से प्रत्येक विद्यार्थी को सीखने में मदद करने की होनी चाहिए। यदि आप अपनी कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी से अधिक उम्मीद करते हैं तो आपके विद्यार्थियों में यह प्रबल धारणा बन सकती है कि यदि वे डटे रहते हैं तो अधिक सीखेंगे। अधिक उम्मीदें व्यवहार में भी दिखनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि उम्मीदें स्पष्ट हैं और विद्यार्थी एक दूसरे से सम्मानजनक व्यवहार करते हैं।
- अपने शिक्षण में विविधता लाएं:- विद्यार्थी अलग अलग तरीकों से सीखते हैं। कुछ विद्यार्थियों को लिखना पसंद होता है; तो कुछ अन्य को अपने विचार निरूपित करने के लिए माइंड मैप या चित्र बनाना अच्छा लगता है। कुछ विद्यार्थी अच्छे श्रोता होते हैं; कुछ अन्य तब सर्वश्रेष्ठ ढंग से सीखते हैं जब उन्हें अपने विचार के बारे में बात करने का अवसर प्राप्त होता है। आप हर समय सभी विद्यार्थियों के अनुरूप नहीं कर सकते हैं लेकिन आप अपने शिक्षण में विविधता पैदा कर सकते हैं और विद्यार्थियों को उनके द्वारा किए जा सकने के लिए कुछ अधिगम गतिविधियों में से अपना विकल्प चुनने का अवसर दे सकते हैं।
- रोजमर्रा की जिंदगी से अधिगम को जोड़ें:- कुछ विद्यार्थियों को वे बातें अपने रोजमर्रा की जिंदगी के लिए अप्रासंगिक लग सकती हैं जिन्हें आप उनसे सीखने के लिए कहते हैं। आप इसे यह सुनिश्चित करने के द्वारा संबोधित कर सकते हैं कि जब भी संभव हुआ आप उस अधिगम को उनके लिए प्रासंगिक संदर्भ से जोड़ कर दिखाएंगे और आप उनके खुद के अनुभव से उदाहरण द्वारा निरूपित करेंगे।
- भाषा का उपयोग:- अपने द्वारा प्रयोग की जाने वाली भाषा को लेकर सचेत रहें। सकारात्मक और प्रशंसात्मक भाषा का प्रयोग करें, विद्यार्थियों का उपहास न उड़ाएं। हमेशा उनके व्यवहार पर टिप्पणी करें, न कि स्वयं उन पर। 'तुम मुझे आज परेशान कर रहे हो' जैसे वाक्य बेहद व्यक्तिगत प्रकार के होते हैं, इसके बजाय आप इसे 'आज मुझे तुम्हारा व्यवहार कष्टप्रद लग रहा है। क्या कोई कारण है जिसके चलते ध्यान केंद्रित करने में तुम्हें मुश्किल हो रही है?' के रूप में बेहतर ढंग से व्यक्त कर सकते हैं।
- रूढ़िवादिता को चुनौती दें:- उन संसाधनों का पता लगाएं और प्रयोग करें जो लड़कियों को गैर-रूढ़िवादी भूमिकाओं में प्रस्तुत करता है या वैज्ञानिक आदि अनुकरणीय महिलाओं को विद्यालय में आने के लिए निमंत्रित करें। लिंग को लेकर आप अपनी खुद की रूढ़िवादिता के प्रति सचेत रहें; आप जानते हैं कि लड़कियां खेलकूद के क्षेत्र में भी भाग लेती हैं वहीं लड़के देखभाल वाले कार्यों में भी पाए जाते हैं, लेकिन प्रायः हम इन्हें अलग ढंग से व्यक्त करते हैं, क्योंकि हम इसी तरीके से समाज में बात करने के अभ्यस्त होते हैं।
- एक सुरक्षित, सुखद अधिगम वातावरण का निर्माण करें:- यह जरूरी है कि सभी विद्यार्थी विद्यालय में सुरक्षित और प्रसन्नचित्त महसूस करें। आप ऐसी स्थिति में होते हैं जिसमें आप अपने विद्यार्थियों को एक दूसरे के लिए परस्पर सम्मान और मित्रतापूर्ण व्यवहार के लिए प्रोत्साहित कर प्रसन्नचित्त महसूस करा सकें। इस बात पर विचार करें कि अलग अलग विद्यार्थियों के लिए विद्यालय और कक्षा को किस तरह विशिष्ट बनाया जा सकता है। इस बारे में सोचें कि उन्हें कहां बैठने के लिए कहा जाना चाहिए और सुनिश्चित करें कि दृश्य या श्रवण बाधा या शारीरिक अक्षमता वाला कोई भी विद्यार्थी अपना पाठ पढ़ने और सीखने के लिए कहां बैठ सकता है। इस बात की जांच करें कि शर्मीले स्वभाव या आसानी से विचलित होने वाले विद्यार्थियों को आप किस तरह आसानी से अपनी गतिविधियों में शामिल कर सकते हैं।

विशिष्ट शिक्षण दृष्टिकोण

ऐसे कई विशिष्ट दृष्टिकोण हैं जिनसे आपको सभी विद्यार्थियों को शामिल करने में मदद मिलेगी। इन्हें अन्य प्रमुख संसाधनों में और अधिक विस्तार से वर्णित किया गया है लेकिन यहां संक्षिप्त परिचय दिया जा रहा है:

- प्रश्न पूछना:- यदि आप विद्यार्थियों को हाथ खड़े करने के लिए कहते हैं तो वही विद्यार्थी जवाब देने को प्रवृत्त होते हैं। ऐसे कई अन्य तरीके भी हैं जिनसे जवाबों के बारे में सोचने और प्रश्नों पर प्रतिसाद देने के लिए अधिक विद्यार्थियों को शामिल किया जा सकता है। आप विशिष्ट विद्यार्थियों से प्रश्न पूछ सकते हैं। कक्षा से कहें कि आप यह निर्णय लेंगे कि कौन उत्तर देगा, फिर आप सामने बैठे हुए विद्यार्थियों की अपेक्षा कक्षा में पीछे या किनारे में बैठे विद्यार्थियों से प्रश्न पूछें। विद्यार्थियों को 'सोचने के लिए समय' दें और विशिष्ट विद्यार्थियों से अपना योगदान

देने के लिए कहें। विश्वास का निर्माण करने के लिए जोड़ी या समूहकार्य का प्रयोग करें ताकि आप संपूर्ण कक्षा चर्चा में हरेक को शामिल कर सकें।

- मूल्यांकन:- रचनात्मक मूल्यांकन के लिए तकनीकों की शृंखला विकसित करें, इनसे आपको हरेक विद्यार्थी को बेहतर ढंग से जानने में मदद मिलेगी। छिपी प्रतिभाओं और खामियों को उजागर करने के लिए आपको रचनात्मक होने की जरूरत है। कतिपय विद्यार्थियों एवं उनकी योग्यताओं के बारे में सामान्यीकृत विचारों के कारण कुछ धारणाएं बन जाती हैं जबकि रचनात्मक मूल्यांकन आपको सटीक जानकारी देगा। तब आप उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं पर प्रतिसाद देने के लिए बेहतर स्थिति में होंगे।
- समूह कार्य एवं जोड़ी में कार्य:- सभी विद्यार्थियों को शामिल करने और उन्हें एक दूसरे को महत्व देने के लिए प्रोत्साहित करने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर इस बात पर सावधानीपूर्वक विचार करें कि किस तरह आप अपनी कक्षा को समूह में विभाजित कर सकते है या उनमें जोड़े बना सकते हैं। सुनिश्चित करें कि सभी विद्यार्थियों को एक दूसरे से सीखने और अपनी सीखी बातों पर विश्वास का निर्माण करने के लिए अवसर प्राप्त है। कुछ विद्यार्थियों में एक छोटे समूह में अपने विचारों को व्यक्त करने और प्रश्न पूछने के लिए आत्मविश्वास होगा किंतु हो सकता है कि संपूर्ण कक्षा के सामने उन्हें अपने को खड़ा करने में झिझक हो।
- विशिष्टीकरण:- अलग अलग समूहों के लिए अलग अलग कार्य निर्दिष्ट करने से विद्यार्थियों को अपनी सीखी हुई जगह से शुरू करने और आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। समाप्ति रहित कार्य निर्धारित करने से सभी विद्यार्थियों को सफल होने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थियों को विभिन्न कार्यों में विकल्प प्रदान करने से उन्हें उस कार्य के प्रति उत्तरदायित्व का अहसास करने और अपने अधिगम के लिए जवाबदेही लेने में मदद मिलेगी। व्यक्तिगत अधिगम आवश्यकताओं का ध्यान रखना कठिन होता है, खास तौर पर बड़ी कक्षा में लेकिन अलग अलग कार्यों और गतिविधियों का उपयोग कर इसे किया जा सकता है।

अतिरिक्त संसाधन

- RVEC Bangalore: http://www.rvec.in/
- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Dombey, H. and Moustafa, M. (1998) *Whole to Part Phonics: How Children Learn to Read and Spell*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Graham, J. and Kelly, A. (2010) *Writing under Control: Teaching Writing in the Primary School*, 3rd edn. London: Routledge.

Graves, D. (2003) *Writing: Teachers and Children at Work*. Portsmouth: Heinemann.

Graves, D. (1994) *A Fresh Look at Writing*. Portsmouth: Heinemann.

O'Sullivan. O. (2007) *Understanding Spelling*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Smith, F. (1994) *Writing and the Writer*. London: Routledge.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/)। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा लाइसेंस के अंतर्गत ही इस प्रोजेक्ट में उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons Licence से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि यह सामग्री अपरिवर्तित रूप से केवल TESS-India प्रोजेक्ट में ही उपयोग की जा सकती है और यह किसी अनुवर्ती OER संस्करणों में उपयोग नहीं की जा सकती। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस यूनिट में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतारूपी आभार किया जाता है:

चित्र 1: Mother Dairy trademark, http://www.motherdairy.com (Figure 1: Mother Dairy trademark, http://www.motherdairy.com.)।

चित्र 2: कुर्सी, http://appfinder.lisisoft.com/app/my-first-100-words-in-hindi.html; शौचालय चिन्ह, http://www.ispeakhindi.com/2009/04/08/airport-signs-in-india/; रुकने का चिन्ह, http://signs.kiev.ua/

(Figure 2: chair, http://appfinder.lisisoft.com/app/my-first-100-words-in-hindi.html; toilet sign, http://www.ispeakhindi.com/2009/04/08/airport-signs-in-india/; stop sign, http://signs.kiev.ua/.)।

चित्र 3: बायाँ: http://www.etsy.com/; दायाँ: http://giedd-kindergarten.blogspot.co.uk/ (Figure 3: left: http://www.etsy.com/; right: http://giedd-kindergarten.blogspot.co.uk/)।

चित्र 4: बायाँ: अविवा वेस्ट (फ्लिकर) द्वारा *टाइम्स* (भारत) का चित्र; बीच में: चित्र सौजन्य ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ़ पब्लिक हेल्थ/सेंटर फॉर कम्युनिकेशन प्रोग्राम्स का मेडिकल मटेरियल्स क्लीयरिंगहाउस; दायाँ: *बर्फी* फिल्म पोस्टर, http://infinitymoviez.blogspot.co.uk/ (Figure 4: left: photo of Times (India) by Aviva West (Flickr); middle: photo courtesy of the Medical Materials Clearinghouse at the Johns Hopkins University Bloomberg School of Public Health/Center for Communication Programs; right: *Barfi* film poster, http://infinitymoviez.blogspot.co.uk/.)।

चित्र 5: http://www.thecurriculumcorner.com/2012/07/24/read-the-room-classroom-labels/ (Figure 5: http://www.thecurriculumcorner.com/2012/07/24/read-the-room-classroom-labels/.)।

चित्र R1.1: http://tcnj.pages.tcnj.edu/ (Figure R1.1: http://tcnj.pages.tcnj.edu/.)।

चित्र R1.2: http://nicadez.blogspot.co.uk/2013/02/the-importance-of-word-walls.html (Figure R1.2: http://nicadez.blogspot.co.uk/2013/02/the-importance-of-word-walls.html.)।

चित्र R1.3: http://usf.vc/updates/driving-change-through-rural-education-in-india/ (Figure R1.3: http://usf.vc/updates/driving-change-through-rural-education-in-india/.)।

चित्र R1.5: http://schools.cbe.ab.ca/ b233/ showcase.htm (Figure R1.5: http://schools.cbe.ab.ca/ b233/ showcase.htm.)।

चित्र R1.6: http://www.kinderbykim.com/ (Figure R1.6: http://www.kinderbykim.com/.)।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।